Publication : Amar Ujala **Region :** New Delhi, Noida

Date : Dec 08, 2010

बदलाव के लिए जुटे विशेषज्ञ

नई दिल्ली। आईडिस्कवरी ने मंगलवार को राजधानी में वार्षिक अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन के तहत स्कूल ऑफ टुमॉरो आयोजित किया। इस सम्मेलन में शिक्षा जगत के कई विचारकों और शिक्षाविदों ने हिस्सा लिया। इसके तहत उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षा पर आधारित परिचर्चा हुई जिससे स्कूली शिक्षा में सकारात्मक बदलाव लाने का रास्ता साफ हो सके। यह सम्मेलन एक साथ नई दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद और चेन्नई में आयोजित हुआ।

स्कूल ऑफ टुमॉरो द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विशेषज्ञ।

कार्यक्रम को चारों शहरों में इंटरनेट और वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए प्रसारित किया गया। इसके जरिए पूर्व राष्ट्रपति डा. अब्दुल कलाम ने बताया कि भारत को एक बौद्धिक महाशक्ति बनने के लिए किस तरह के नागरिकों की आवश्यकता है। हार्वर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ एजुकेशन के वरिष्ठ प्रोफेसर और प्रोजेक्ट जीरो अनुसंधान कार्यक्रम के सह संस्थापक प्रो. डेविड पर्किंस ने कहा शिक्षा ऐसी हो जिसका छात्र की जिंदगी में गहरा बदलाव आ सके और ऐसे में निश्चित रूप से एक छात्र जो भी पहली कक्षा से स्नातक स्तर तक सीखता है, उसका खासा योगदान होता है। वहीं मशहूर लेखक और पी एंड जी के पूर्व सीईओ गुरशरण दास ने कहा कि बच्चों को असल बेहतर शिक्षा प्रदान करने में सरकार को अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है। प्रो. पीटर सेंज ने कहा कि विश्व अब औद्योगिकीकरण के दौर से आगे निकल चुका है और अब व्यवसाय भी मात्र औद्योगिकीकरण पर ही निर्भर नहीं है। ब्यूरो